>

Title: Need to create headquarter of Raj Mahal Coal Fields in Jharkhad.

श्री निशिकांत दुबे (गोड्डा): सभापति महोदय, झारखंड में गरीबी है, विस्थापन है और नक्सलवाद है। मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि उसके पीछे केन्द्र सरकार की गड़बड़ नीतियां हैं। मैं जिस क्षेत्र से आता हूं, वहां ईस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड की एशिया की सबसे बड़ी खान है। लेकिन वह नुकसान में है। लेकिन हमारे यहां जो राजमहल, चित्रा कोल फील्ड्स हैं, वे प्रोफिट में हैं। उसके कारण हम लोगों को सीएसआर की फैसिलिटी नहीं मिलती है। इसी तरह से कोल इंडिया का जो हैडक्वार्टर है, हम कोयले का ज्यादा उत्पादन करते हैं, वह बंगाल में है। स्टील अथारिटी का सबसे ज्यादा आयरन ओर हम देते हैं, चिड़िया माइन्स हमारे यहां हैं, उसका हैडक्वार्टर हमारे पास है। हिंदुस्तान कापर का बॉक्साइट हमारे पास है। लेकिन उसका हैडक्वार्टर बंगाल में है। दामोदर वैली कारपोरेशन हमारे यहां से पानी ले जाती है, लेकिन उसका हैडक्वार्टर बंगाल में हैं और रेलवे को हम सबसे ज्यादा पैसा देते हैं, लेकिन हमारे यहां धनबाद में जोनल हैडक्वार्टर नहीं है।

महोदय, मेरा आपके माध्यम से यह आग्रह है कि स्टील अथारिटी ऑफ इंडिया, कोल इंडिया, दामोदर वैली कारपोरेशन और धनबाद में रेलवे का जोनल ऑफिस और हमारे यहां ईसीएल को अलग करके राजमहल कोलफील्ड्स का एक नया हैडक्वार्टर कोल इंडिया क्रिएट करे, यही मेरा सरकार से आग्रह है।